www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले से उठा सवाल... 3 सोमनाथ हमारे आत्मबल, पुनर्जागरण और अविनाशी... 4 पत्रकार अरुण शर्मा किए गए सम्मानित

वर्षः 10 | अंकः 73 | दिल्ली, सोमवार, 5 जनवरी 2026 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने अमा बस द्वारा बार-बार होने वाली दुर्घटनाओं पर चिंता जताई

ओडिशा (एजेन्सी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को राज्य द्वारा संचालित अमा बस के कारण होने वाली लगातार दुर्घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे चालकों को कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण मुहैया कराएं और उनमें संवेदनशीलता विकसित करें। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश शनिवार को यहां अमा बस के कारण हुई दुर्घटना में एक ऑटो रिक्शा चालक की मौत के एक दिन बाद जारी किया है। पुलिस ने बताया कि दो यात्रियों को लेकर जा रहा ऑटो-रिक्शा व्यस्त रूपाली चौक पर लाल बत्ती के कारण रुककर इंतजार कर रहा था, तभी अमा बस ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में ऑटो रिक्शा चालक की मौत हो गई, जबकि एक छात्रा समेत दो यात्री घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया, एक यात्री का कैपिटल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है, जबकि दूसरे घायल को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद मौके से फरार हुए बस चालक को गिरफ्तार कर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

मात्र 4 महीनों में 10,000 से अधिक गर्भवती महिलाओं ने करवाए मुफ्त अल्ट्रासाउंड

चंडीगढ़ (एजेन्सी)। आने वाली पीढ़ियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को सुनिश्चित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने प्रसूति स्वास्थ्य देखभाल को सफलतापूर्वक विकेंद्रित किया है और आम आदमी क्लीनिक (ए.ए.सी.) गर्भवती महिलाओं के लिए नई जीवन रेखा के रूप में उभर रहे हैं। एक विशेष प्रोटोकॉल-आधारित गर्भावस्था देखभाल मॉडल शुरू करने के मात्र चार महीनों के अंदर सेवाएं हासिल करने वालों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज की गई है और हर महीने लगभग 20,000 गर्भवती महिलाएं इन क्लीनिकों में पहुंच रही हैं। इस पहल की सफलता को साझा करते हुए पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत पहले ही एक यूनिक रैफरल सिस्टम के माध्यम से 10,000 से अधिक महिलाओं को मुफ्त अल्ट्रासाउंड सेवाएं प्रदान की गई हैं।

प्रधानमंत्री ने 72वें राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का किया उद्घाटन

2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत में आयोजित होने वाले हैं और देश 2036 के ओलंपिक की मेजबानी के लिए भी पूरे प्रयास कर रहा हैः मोदी

संजना भारती/पीआईबी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 72वें राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। श्री मोदी ने इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें वाराणसी से सांसद होने के नाते सभी खिलाड़ियों का स्वागत और अभिनंदन करते हुए प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप आज से वाराणसी में शुरू हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि खिलाड़ी अथक परिश्रम के बाद इस राष्ट्रीय टूर्नामेंट तक पहुंचे हैं और आने वाले दिनों में वाराणसी के मैदान पर उनके परिश्रम की परीक्षा होगी। उन्होंने कहा कि देश के 28 राज्यों की टीमें एकत्रित हुई हैं जो एक भारत, श्रेष्ठ भारत का सुंदर चित्र प्रस्तुत करती हैं। प्रधानमंत्री ने चैंपियनशिप के सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

बनारसी की एक स्थानीय कहावत का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि खिलाड़ी अब वाराणसी पहुंच चुके हैं और शहर को अच्छी तरह जान लेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वाराणसी खेल प्रेमियों का शहर है जहां कुश्ती, कुश्ती के अखाड़े, मुक्केबाजी, नौका दौड़ और कबड्डी बहुत लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा कि वाराणसी ने कई राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए हैं और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, यूपी कॉलेज और काशी विद्यापीठ जैसे संस्थानों के खिलाड़ियों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। श्री मोदी ने कहा कि हजारों वर्षों से वाराणसी ज्ञान और कला की खोज में आने वाले सभी लोगों का स्वागत करता आया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप के दौरान वाराणसी का उत्साह बरकरार रहेगा, खिलाड़ियों को उनका उत्साहवर्धन करने के लिए दर्शक मिलेंगे और वे वाराणसी की समृद्ध आतिथ्य सत्कार की परंपरा का अनुभव भी करेंगे।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वॉलीबॉल कोई साधारण खेल नहीं है बल्कि यह संतुलन और सहयोग का खेल है जहां गेंद को हमेशा हवा में रखने के प्रयास में दृढ़ संकल्प झलकता है। उन्होंने बताया कि वॉलीबॉल खिलाड़ियों को टीम भावना से जोड़ता है, जहां हर खिलाड़ी टीम पहले के मंत्र से प्रेरित होता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भले ही प्रत्येक खिलाड़ी के पास अलग-अलग कौशल हों लेकिन सभी अपनी टीम की जीत के लिए खेलते हैं। श्री मोदी ने भारत के विकास की कहानी और वॉलीबॉल के बीच समानताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह खेल सिखाता है कि कोई भी जीत अकेले प्राप्त नहीं होती बल्कि जीत समन्वय, विश्वास और टीम की तैयारी पर निर्भर करती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर किसी की अपनी भूमिका और जिम्मेदारी होती है और सफलता तभी मिलती है जब हर कोई गंभीरता से अपनी जिम्मेदारी को निभाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश भी इसी तरह प्रगति कर रहा है, स्वच्छता से लेकर डिजिटल भुगतान तक, एक पेड़ मां के नाम से लेकर विकसित भारत के अभियान तक, हर नागरिक, हर वर्ग और हर प्रांत सामूहिक चेतना और भारत पहले की भावना के साथ काम कर रहा है।

श्री मोदी ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की विकास और अर्थव्यवस्था की सराहना कर रही है।

यूपी में एमएसएमई, धार्मिक पर्यटन व हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश करेंगे कनाडा के उद्यमी

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। कैनेडियन हिंदू चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के सभी 24 सदस्यों का स्वागत किया।

कैनेडियन हिंदू चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के संस्थापक अध्यक्ष नरेश कुमार चावड़ा के नेतृत्व में आए प्रतिनिधि मंडल ने उत्तर प्रदेश के अंदर एमएसएमई, धार्मिक पर्यटन व हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की इच्छा जताई। इस पर मुख्यमंत्री ने उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदस्यों को अयोध्या में रामलला, काशी में काशी विश्वनाथ धाम तथा प्रयागराज के भ्रमण के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री जी ने प्रतिनिधिमंडल से प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरूप ट्रेड, टेक्नोलॉजी व टूरिज्म की दिशा में नए प्रयास बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 8-9 वर्ष पहले

संभावनाओं का प्रदेश है यूपी, यहां सुरक्षा, सुव्यवस्था व निवेश की स्थिति बेहतरः मुख्यमंत्री

त्योहारों पर बाजार चीन के उत्पादों से भरा रहता था, लेकिन हमने 2018 में परंपरागत उद्यम को एक जिला-एक उत्पाद के माध्यम से आगे बढ़ाया। इन उत्पादों को डिजाइन, तकनीक व प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया। इन्हें सितंबर के अंतिम सप्ताह में होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में शोकेस का भी अवसर देते हैं।

सीएम ने बताया कि आज यूपी के बाजार से चीन के उत्पाद गायब हो गए हैं। सरकार सभी 96 लाख एमएसएमई यूनिट को सपोर्ट कर रही है और सामाजिक सुरक्षा की गारंटी दे रही है। इनके जरिए ढाई करोड़ परिवार की आजीविका जुड़ी है। एक जिला-एक उत्पाद के माध्यम से ब्रांडिंग कराई गई है। अब इनके उत्पादों को बड़े मंचों पर उपहार स्वरूप प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। साथ ही यह दुनिया की सबसे तेज गति से उभरने वाली अर्थव्यवस्था भी है। यूपी अर्थव्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में शीर्ष तीन राज्यों में आता है। यहां देश की सबसे बड़ी आबादी निवास करती है।

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को यूपी की नई गति से परिचित कराया। कहा कि यूपी संभावनाओं का प्रदेश है। यहां सुरक्षा, सुव्यवस्था व निवेश की बेहतर स्थिति है।

गत वर्ष हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इसमें से 15 लाख करोड़ रुपये की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी हो चुकी है। शेष पांच लाख करोड़ के प्रस्ताव फिर से जीबीसी के लिए तैयार हैं।

प्रधानमंत्री के विजन को साकार करने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरतः मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

इलेक्ट्रिक व्हीकल पार्क बनाने की योजना की जा रही तैयार

संजना भारती संवाददाता

चण्डीगढ। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उद्योगपति देश में औद्योगिक क्रांति लाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। वर्ष 2029 तक देश को तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन को साकार करने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को चण्डीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर निवास पर ओएसडी तरूण भण्डारी के नेतृत्व में आए पंजाब के उद्योगपतियों के प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी बी बी भारती भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाला समय इलेक्ट्रिक व्हीकल का है। इसलिए सरकार इलेक्ट्रिक व्हीकल पार्क बनाने की योजना तैयार कर रही है। गुरूग्राम में इलेक्ट्रिक व्हीकल बेट्री की एक बड़ी इण्डस्ट्री लेकर आए है। सरकार उद्योगों को गति प्रदान करने के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेक इन इंडिया, लोकल फोर वोकल-विषय के साथ भारत को गति से आगे ले जाने में देश में बने हुए सामान का उपयोग करने पर बल दिया। इसका श्रेय भी उद्योगपतियों को ही जाता है। उन्होंने कहा कि उद्योगपतियों ने उद्यमशीलता व नवाचार के साथ देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने व्यवस्थित ढंग से उद्योगों को गति प्रदान की है, उनके सांझा विचारों के बेहतर परिणाम निकल कर सामने आए है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को दुनिया की 5वीं अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया था, जबकि भारत विश्व की चौथी आर्थिक शक्ति बन गया। इसके लिए सभी उद्योगपति बधाई के पात्र हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार की एमएसई-सीडीपी योजना के अलावा प्रदेश में मिनी क्लस्टर विकास योजना शुरू की गई है। इन योजनाओं के तहत 48 एमएसएमई क्लस्टरों में 170 करोड़ रूपए की योजनाओं पर काम चल रहा है। इनसे हरियाणा में 8 हजार से अधिक एमएसएमई लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में उद्योगपतियों के लिए व्यवस्था प्रणाली को दुरुस्त कर उद्योगों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों जापान दौरे के दौरान उद्योगपतियों का बहुत अच्छा रिस्पोंस मिला जिसमें 5000 करोड़ रुपए के निवेश में से 2000 करोड़ रुपए का निवेश शुरू हो गया है और कई उद्योगपतियों ने जमीन का चयन कर लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप उद्योगपतियों के हित में सुझावों को अमलीजामा पहना रही है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्री बजट बैठकें आयोजित कर सुझाव लिए जा रहे हैं और उन्हें बजट में समाहित किया जा रहा है। यदि कोई उद्योगपति उनसे मिलना चाहता है तो उनके द्वार सदैव खुले है। बेझिझक किसी भी समय कोई भी उनसे आकर मिल सकता है। उद्योग हित में प्रोत्साहन देने की सोच ही प्रधानमंत्री के विजन को पूरा करेगी और विकसित राष्ट्र का सपना भी पूरा होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले बजट के दौरान 10 आईएमटी बनाने की घोषणा की गई, जिसमें से दो आईएमटी के लिए भूमि का चयन कर लिया गया है। इनमें उद्योगपति निवेश कर रहे हैं। हर प्रकार की सहायता के लिए सरकार उद्योगपतियों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि राज्य में सिंगल विन्डो सिस्टम लागू किया गया है। इसके तहत, एक निर्धारित तय सीमा में उद्योगपतियों को एनओसी प्रदान की जा सकेगी।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में टैक्स के रूप में जो राजस्व एकत्र होगा उसे उद्योगों की सुविधाओं पर ही खर्च किया जाएगा। इसके अलावा, राज्य में बिजली रेट भी अधिक नहीं हैं।

'खेल शक्ति ही राष्ट्र शक्तिः नई खेल संस्कृति के साथ यूपी बना रहा राष्ट्रीय नेतृत्व': मुख्यमंत्री योगी

संजना भारती संवाददाता

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले वर्षों में उत्तर प्रदेश और देश में खेल को नई दृष्टि, नए संसाधन और नया आत्मविश्वास मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उभरते न्यू स्पोर्ट्स कल्चर ने युवाओं में अनुशासन, फिटनेस और टीम-स्पिरिट को मजबूत किया है। अब खेल सिर्फ शौक नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि आधुनिक खेल इंफ्रास्ट्रक्चर, पारदर्शी चयन-प्रक्रिया और मिशन-मोड पर चल रही योजनाओं के चलते युवा खिलाड़ियों के लिए अवसर बढ़े हैं। ग्राम पंचायत से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक प्रतियोगिताओं का विस्तार किया गया है। परिणामस्वरूप यूपी के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पहले से कई गुना अधिक भागीदारी और पदक ला रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 72वीं सीनियर नेशनल वालीबॉल चैंपियनशिप का वर्चुअली शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आयोजन स्थल डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा में मौजूद रहे। उन्होंने यहां खिलाड़ियों व दर्शकों को संबोधित किया। सीएम की उपस्थिति में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया व उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय के मध्य नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई) के संचालन के लिए एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। सीएम योगी ने काशी में आई सभी 58 टीमों (30 पुरुष, 28 महिला) के खिलाड़ियों, कोच व ऑफिशियल का स्वागत किया।

सीएम योगी ने कहा कि पिछले 11-साढ़े 11 वर्ष के अंदर हर भारतवासी ने देश में नई खेल संस्कृति को पनपते देखा है। पीएम मोदी ने 2014 में खेलो इंडिया खेलो के माध्यम से हर भारतवासी के मन में खेल के प्रति सम्मान का भाव पैदा किया। उन्होंने संदेश दिया कि खेल जीवन के सर्वांगीण विकास का माध्यम बने। स्वस्थ शरीर से ही सफलता के सभी आयाम प्राप्त किए जा सकते हैं। खेलो इंडिया खेलो, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता और हर जनपद में बनने वाले खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से पूरा देश नई खेल संस्कृति का अनुभव कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सांसद-विधायक खेलकूद प्रतियोगिता, ग्रामीण खेलकूद की विभिन्न प्रतियोगिता आदि के माध्यम से हम लोगों ने उत्तर प्रदेश में खेल को बढ़ाया है।

दिव्यांगों के लिए वित्तीय सहायता, हॉस्टल और सहायक उपकरण उपलब्ध करा रही सरकारः रविन्द्र इंद्राज

दिव्यांग बच्चों के सशक्तिकरण के लिए सरकार हर स्तर पर प्रतिबद्धः इन्द्राज

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। ब्रेल डे एवं ब्रेल लिपि के जनक लुई ब्रेल की जयंती के अवसर पर समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज ने रोहिणी स्थित ब्रेल भवन और सेवा कुटीर किंग्सवे कैम्प स्थित कॉलेज जाने वाले दृष्टि बाधित छात्रों के लिए बने हॉस्टल में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाओं को सम्मानित किया। उन्होंने दुनियाभर के दृष्टिहीनों के सशक्तिकरण में लुई ब्रेल के महान योगदान की सराहना की।

श्री इन्द्राज ने दृष्टिहीन बच्चों और छात्रों की अद्भुत प्रतिभा, आत्मविश्वास और संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति की उड़ान उसकी शारीरिक कमी नहीं, बल्कि उसका जज्बा और सोच तय करती है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मंच पर बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुतियां यह सिद्ध करती हैं कि सीमित संसाधनों के बावजूद समर्पण और अभ्यास से असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। सेवा कुटीर, किंग्सवे कैंप में आयोजित कार्यक्रम में समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से विकलांग से दिव्यांग की सोच को नीतियों में साकार किया जा रहा है। दिल्ली सरकार दिव्यांगजनों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि हाई सपोर्ट नीड वाले दिव्यांगों की देखभाल के लिए 6000 रुपये प्रतिमाह सहायता की योजना लागू की गई है। उन्होंने कहा कि तिमारपुर में कॉलेज जाने वाली दृष्टि बाधित छात्राओं के लिए भी अटल दृष्टि हॉस्टल शुरू किया गया है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि गरीब, वंचित और दिव्यांग छात्रों के लिए नये हॉस्टल और सहायक उपकरण लगातार उपलब्ध कराये जाएंगे।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिव्यांग और छात्र हितों को लेकर अत्यंत संवेदनशील हैं और नर सेवा नारायण सेवा की भावना से प्रेरित होकर सरकार लगातार जनकल्याण के कार्य कर रही है। इससे पहले ऑल इंडिया कन्फेडरेशन ऑफ दी ब्लाइन्ड द्वारा ब्रेल भवन, रोहिणी में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री ने हिन्दी एवं अंग्रेजी में ब्रेल रीडिंग/राइटिंग एवं मदनलाल निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया। प्रतियोगिता में देश के 11 राज्यों के 19 विद्यालयों के दृष्टिबाधित विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर एआईसीबी के महासचिव जवाहर लाल कौल, कार्यकारिणी सदस्य रमेश प्रसाद सिंह, अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार अनेजा, लायन दिनेश बत्रा, मंजुला रथ, रंजू सिंह एवं जसमेर सिंह पानु मौजूद रहे।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण और शीतलहर का डबल अटैक

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली-एनसीआर में कड़ाके की ठंड के साथ-साथ प्रदूषण का कहर जारी है। रविवार सुबह दिल्लीवासी ठंडी, बर्फीली हवाओं और घने कोहरे के बीच उठे। कोहरे के कारण शहर के कई हिस्सों में विजिबिलिटी काफी कम दर्ज की गई, जिससे यातायात पर भी असर पड़ा। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 248 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। हालांकि, शहर के कई हॉटस्पॉट्स पर हालात इससे कहीं ज्यादा गंभीर बने हुए हैं। राजधानी के मुख्य मॉनिटरिंग स्टेशनों पर हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई है। आनंद विहार (350), रोहिणी (361), चांदनी चौक (355) और मुंडका (329) जैसे इलाकों में सांस लेना दूभर हो गया है। इसके विपरीत, NSIT द्वारका और इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसे क्षेत्रों में हवा थोड़ी बेहतर रही, जहां एक्यूआई 177 दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान गिरकर 9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जिससे ठिठुरन और बढ़ गई है।

नशा मुक्त पंजाब के लिए मान सरकार के ठोस, दृढ़ और परिणामोन्मुखी कदमः बलजीत कौर

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार राज्य को नशा मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूर्ण दृढ़ता और संवेदनशीलता के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सरकार द्वारा उठाए गए ठोस और प्रभावी कदमों के परिणाम जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए पंजाब सरकार द्वारा कुल 467.49 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि राज्य में नशों के विरुद्ध जन-जागरूकता पैदा करने, लोगों को संवेदनशील बनाने और सामाजिक सहभागिता को मजबूत करने के उद्देश्य से पंजाब सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा आपसी समन्वय से व्यापक योजना के तहत कई प्रभावशाली कार्यक्रम लागू किए गए हैं। विशेष रूप से बच्चों, युवाओं और अध्यापकों को नशा मुक्ति अभियान से जोड़ने के लिए स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम तैयार कर लागू किए गए हैं, जिनके लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन भी उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत 107.22 लाख रुपये, सूचना एवं लोक संपर्क विभाग द्वारा व्यापक जन-जागरूकता गतिविधियों हेतु 202.99 लाख रुपये, जबकि सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा राज्य के सभी जिलों में जागरूकता शिविरों की श्रृंखला आयोजित करने के लिए 109.12 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि नशों की सबसे बड़ी मार राज्य के युवाओं और उनके परिवारों पर पड़ती है।

कई माताएं अपने बेटों के भविष्य के लिए प्रतिदिन प्रार्थना करती हैं, कई बच्चे अपने पिता की आंखों में से आशा को समाप्त होते हुए देखते हैं और कई घरों की खुशियां नशों की भेंट चढ़ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि मान सरकार इस पीड़ा को गहराई से समझती है और नशा मुक्त पंजाब की लड़ाई को केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि मानवीय, संवेदनशील और सामाजिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ा रही है।

सम्पादकीय

एआई सिटी और भविष्य का उत्तर प्रदेश

कहा जाता है की डाटा भविष्य का ईंधन है यानि आने वाले भविष्य में उस देश का वर्चस्व होगा जिसके पास अपना डाटा भंडारण और अपनी तकनीक होगी। एआई अब सीमित नहीं है स्वास्थ्य ,कला, शिक्षा, सुरक्षा, ट्रांसपोर्ट और प्रशासन में डिजिटल तकनीकी आदि लगभग हर क्षेत्र में इसका आधिपत्य बढ़ता जा रहा है। एआई का ज्ञान रखने वाले युवा देश के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एआई सिटी लखनऊ एवं नोएडा विकसित करने की योजना पर काम कर रही है इससे राज्य को तकनीकी रूप से मजबूत और सशक्त बनाया जा सकेगा। एआई प्रज्ञा योजना के अंतर्गत लगभग 10 लाख युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण दिया जाएगा और राज्य में 30000 करोड़ से अधिक का निवेश डाटा सेंटर और एआई आधारित बुनियादी ढांचे के लिए किया जा रहा है।इस योजना के तहत इन युवाओं में न सिर्फ युवा, विद्यार्थी बल्कि महिलाएं किसान,गांव के मुखिया स्वयं सहायता समूह में काम करने वाले लोग, पब्लिक सेक्टर से जुड़े लोग ऑफिसर्स और आम लोग भी शामिल होंगे। यह कौशल निर्माण करने का कार्य न सिर्फ नवाचारों को बढ़ावा देने वाला होगा बल्कि विकसित उत्तर प्रदेश की तरफ एक महत्वपूर्ण कदम की तरह याद रखा जाएगा। यह परियोजना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्तर प्रदेश को डिजिटल इंडिया और आधुनिक तकनीक का एक प्रमुख केंद्र बनाने के लिए बहुत प्रभावी सिद्ध हो सकता है।यह बात स्पष्ट है कि आने वाला समय प्रभावी रूप से आईटी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा टेक्नोलॉजी पर मजबूत पकड़ रखने वाले देश का होगा।आज एआई और डाटा सेंटर आधुनिक तकनीक की रीढ़ बन चुके हैं और इनके माध्यम से बड़े स्तर पर डेटा को प्रोसेस किया जा रहा है और स्मार्ट फैसले लेने में मदद मिल रही है। प्रदेश की डाटा सेंटर नीति के तहत 5 हाइपर स्केल डाटा सेंटर पार्कों का उपयोग शुरू किया जा चुका है। आज सारी सरकारों को यह भली-भांति ज्ञात है कि बिना एआई प्रशिक्षण के देश को स्थाई बेहतरीन देना संभव नहीं है और वह इस दिशा में कार्य कर रही हैं। करियर की संभावनाएं एआई डाटा साइंस, मशीन लर्निंग साइबर सिक्योरिटी क्लाउड कंप्यूटिंग आदि के क्षेत्र में युवाओं की मांग बहुत तेजी से बढ़ने की संभावना रहेगी, वहीं स्थानीय स्तर पर बड़ी कंपनियां आएंगी और लोगों को बिना दूर जाए अपने ही राज्य में रोजगार की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। इन संभावनाओं में न सिर्फ स्टार्टअप, रिसर्च, इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि लोग और बेहतर तरीके से काम करने के लिए प्रेरित होंगे ,कुल मिलाकर एआई सिटी युवाओं के करियर को नई दिशा देने का काम करेगी। उत्तर प्रदेश सरकार का यह कदम भविष्य की तरफ देखने वाला कदम रहेगा इस प्रकार की योजना से न सिर्फ कौशल विकास होगा बल्कि रोजगार का भी सृजन किया जा सकेगा,बुनियादी ढांचे पर काम किया जा सकेगा,निवेश किया जा सकेगा और आने वाले समय में यह एक बहुत सशक्त और दूरदर्शी योजना साबित होगी जिसका न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश निर्माण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2025 को टेक्नोलॉजी एआई और डाटा में नए आयाम स्थापित करने के लिए याद किया जाएगा आज जिस रणनीति पर काम किया जा रहा है उसमें युवाओं के योगदान का स्पष्ट रूप से आकलन किया जा सकता है। युवाओं को मुख्यमंत्री ने ज्ञानदान का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया जिसमें उनके आसपास पढ़ रहे कम से कम पांच बच्चों को कंप्यूटर के प्रति जागरूक बनाने का कार्य किया जाएगा।निसंदेह 2026 यूपी के लिए एक निर्णायक वर्ष साबित होगा और आने वाले समय में एआई और डिजिटल टेक्नोलॉजी में उत्तर प्रदेश को एक वैश्विक केंद्र की तरह याद रखा जाएगा।

कल मिलेंगे

राजू-डॉक्टर साहब, मैं बहुत खुश रहता हूं,
नींद भी अच्छे से आती है, जिंदगी में अमन ही अमन है
हर काम में दिल भी लगता है,
कोई परेशानी नहीं है, ऐसा क्यूं?
डॉक्टर- मैं आप की बीमारी समझ गया हूं,
आपकी जिंदगी में विटामिन she की कमी है.....

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित।इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHI/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले से उठा सवाल, क्या ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों को ताक पर रख दिया है?

-नीरज कुमार दुबे

> वेनेजुएला सरकार ने इसे अमेरिकी सैन्य आक्रमण तथा आंतरिक संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। साथ ही वेनेजुएला में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की गयी है तथा नागरिकों से व्यापक विरोध और प्रतिरोध की अपील की गयी है। इस बीच, विश्व समुदाय के कई देश इस घटना पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, कुछ ने इसे कूटनीति की आवश्यकता बताया है जबकि रूस, चीन तथा अन्य ने कड़ी निंदा की है

अमेरिका ने वेनेजुएला पर सैन्य आक्रमण कर उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार करने का दावा किया है। यह अंतरराष्ट्रीय जगत में एक संवेदनशील और ऐतिहासिक घटनाक्रम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ बड़े पैमाने पर हवाई और सैन्य हमले किये हैं। ट्रंप ने कहा है कि मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लिया गया है तथा देश से निकाल लिया गया है और वे अगली कानूनी प्रक्रिया के लिये अमेरिका ले जाये गये हैं। इस कार्रवाई को ट्रंप ने अपनी योजना के मुताबिक सफल बताया है तथा इसे वेनेजुएला में लोकतंत्र की बहाली की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया है। हालांकि हमले के विवरण और ठोस प्रमाण अभी तक सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं कराये गये हैं।

वहीं वेनेजुएला सरकार ने इसे अमेरिकी सैन्य आक्रमण तथा आंतरिक संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। साथ ही वेनेजुएला में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की गयी है तथा नागरिकों से व्यापक विरोध और प्रतिरोध की अपील की गयी है। इस बीच, विश्व समुदाय के कई देश इस घटना पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, कुछ ने इसे कूटनीति की आवश्यकता बताया है जबकि रूस, चीन तथा अन्य ने कड़ी निंदा की है।

देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वेनेजुएला पर की गयी सैन्य कार्रवाई तथा एक संप्रभु राष्ट्र के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी का दावा विश्व व्यवस्था के लिये एक भयंकर झटका है। यह केवल एक सैन्य और राजनीतिक घटना नहीं है बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून, कूटनीति और विश्वशांति के मूल सिद्धांतों पर सीधा प्रहार है। जब किसी देश का नेता बिना संयुक्त राष्ट्र के अनुरोध, बिना स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय विधिक अधिकरण के निर्देश और बिना अन्तरराष्ट्रीय समुदाय की सहमति के किसी दूसरे देश में सैन्य हस्तक्षेप कर उसके सर्वोच्च नागरिक नेतृत्व को हटा देता है तो यह कृत्य न केवल उन मूलभूत मानकों का उल्लंघन है जिन पर आधुनिक विश्व राजनीति टिकी हुई है बल्कि यह नए वैश्विक संकटों के लिये एक मिसाल भी स्थापित करता है।

पहला सवाल यह है कि क्या ट्रंप का कदम जायज है? क्या ऐसा किसी भी न्यायिक या राजनीतिक मानक पर सही ठहराया जा सकता है? देखा जाये तो संप्रभुता किसी भी वैश्विक समझ का मूल आधार है और किसी भी देश की आंतरिक व्यवस्थाओं के प्रति बाहरी हस्तक्षेप को तभी वैध ठहराया जा सकता है जब वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के भीतर व्यापक बहुमत द्वारा अनुमोदित हो या जब प्रत्यक्ष एवं सुनिश्चित मानवाधिकार संकट हो। नरसंहार या बड़े पैमाने पर युद्ध अपराध की स्थितियों में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ऐसी स्वीकृति मिल सकती है लेकिन वेनेजुएला में ऐसे कोई हालात नहीं थे। वेनेजुएला की परिस्थिति चाहे जितनी भी विवादास्पद और जटिल रही हो, अमेरिका का यह एकतरफा सैन्य निर्णय अंतरराष्ट्रीय कानून तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल सिद्धांतों के सीधे विपरीत है। इसे केवल एक देश के भीतर मानवीय संकट या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के समाधान के रूप में पेश करना नास्तिकता के समान है। ट्रंप प्रशासन के पास यदि मादुरो के खिलाफ वाकई मजबूत सबूत थे तो उन्हें अंतरराष्ट्रीय न्यायालय या किसी बहुपक्षीय मंच पर प्रस्तुत किया जाना चाहिये था न कि अपने देश की सैन्य ताकत का उपयोग कर सीधे हस्तक्षेप करना चाहिए था।

दूसरा सवाल यह है कि क्या कूटनीति की दुनिया में इस कदम को उचित कहा जा सकता है? देखा जाये तो कूटनीति वैचारिक मतभेदों, राजनीतिक तनावों तथा सत्ता के संघर्षों को बातचीत, समझौते और मध्यस्थता के जरिये सुलझाने की कला है। कूटनीति कभी प्रत्यक्ष हिंसात्मक उपायों को प्रोत्साहित नहीं करती। यदि अमेरिका को वास्तव में वेनेजुएला की वर्तमान प्रणाली में विसंगतियाँ और समस्यायें दिखतीं थीं तो उसके लिये संयुक्त राष्ट्र, ओएएस या किसी अन्य बहुपक्षीय संगठन के साथ मिलकर दबाव बनाना अधिक न्यायोचित और प्रभावी विकल्प होता। इसलिए ट्रंप प्रशासन का यह कदम कूटनीति की भावना का उल्लंघन है और यह उन सभी प्रयासों को भी बेअसर करता है जो शांति, संयम और सामूहिक समाधान की ओर इंगित करते हैं। जब राजनयिक रास्ता खुला रहता है तो हवाई हमले, बमबारी और अस्थिरता फैलाने वाले कदम किसी भी सभ्य कूटनीतिक प्रणाली का अंग नहीं बन सकते। अब तीसरा सवाल यह है कि आगे वेनेजुएला का क्या होगा? देखा जाये तो उस देश का एक अस्थिर भविष्य बेहद संभावित है। हिंसात्मक कार्रवाई के परिणामस्वरूप वेनेजुएला के भीतर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ और भी भयावह हो सकती हैं। यह देश पहले ही आर्थिक मंदी, मुद्रास्फीति तथा सामाजिक असंतोष का शिकार है, ऐसे में एक बाहरी सैन्य हमले से जनता का मनोबल गिर सकता है, नागरिक प्रतिरोध भड़क सकता है तथा आंतरिक संघर्ष और अधिक गहरा हो सकता है। इसके अलावा यह कदम लैटिन अमेरिका में क्षेत्रीय स्थिरता को भी दहला सकता है और पड़ोसी देशों को संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने को मजबूर कर सकता है।

चौथा सवाल अंतरराष्ट्रीय सामरिक प्रभावों से संबंधित है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप की यह नीति, वैश्विक सामरिक संतुलन पर लंबी अवधि में गंभीर प्रभाव डाल सकती है। ट्रंप द्वारा ईरान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करते हुए धमकी देना और अब वेनेजुएला पर प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप जैसे कदम यह संकेत देते हैं कि अमेरिका एक ऐसा वैश्विक प्रहरी बनने की इच्छा रखता है जो अपने हितों को थोपने के लिये सैन्य बल का उपयोग करता है यह विश्व को दोध्रुवीकृत कर सकता है। निश्चित ही यह सब अमेरिका की विरोधी शक्तियों को एकजुट करने का काम करेगा। रूस, चीन और अन्य राष्ट्र पहले ही अमेरिका के इस कदम की निंदा कर चुके हैं तथा इसे सामरिक आक्रमण बता रहे हैं। देखा जाये तो वैश्विक सुरक्षा तंत्र पहले से ही तनावों और विभाजनों से जूझ रहा है, ऐसे में एक प्रमुख सुपरपावर द्वारा एक संप्रभु राष्ट्र के खिलाफ हमला करना वैश्विक शासन और सहयोग के लिये एक गंभीर प्रश्न छोड़ता है।

देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय न्याय और मानवाधिकार का सम्मान केवल शब्दों में नहीं होना चाहिए बल्कि उसे कार्यनीतिक फैसलों और कार्रवाईयों में भी प्राथमिकता दी जानी चाहिये। एक अनियंत्रित और एकतरफा सैन्य कार्रवाई का समर्थन करना दीर्घकालीन वैश्विक स्थिरता, शांति तथा न्याय की भावना के खिलाफ होगा। ट्रंप के इस निर्णय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मनमाने ढंग से सेना, हथियार तथा सैन्य बल की धमकी का प्रयोग अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और सहयोग को कमजोर करता है तथा विश्व समुदाय के विश्वास को तोड़ता है। इसलिए वर्तमान परिस्थिति में वैश्विक समुदाय को संयम, संवाद और न्यायिक प्रक्रिया की ओर लौटना चाहिए तभी हम एक बेहतर, अधिक सुरक्षित और अधिक न्यायसंगत विश्व की कल्पना कर सकते हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

2026 में जोर पकड़ेगा गिग कामगारों का आन्दोलन

-डॉ. ज्ञान पाठक

> इंडिया इंक ने नए श्रम कानूनों के साथ कई चिंताएं जताई हैं, जिसमें गिग वर्कर्स के लिए अलग प्रावधान शामिल हैं जो उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार नियमों को भ्रमित करने वाले बनाते हैं, जबकि श्रमिक संघों और श्रम कानून विशेषज्ञों ने कहा है कि कानूनों के प्रावधानों के बावजूद, गिग वर्कर्स 'गैर-कर्मचारी' की स्थिति तक ही सीमित हैं, इस प्रकार उन्हें नौकरी की सुरक्षा, स्थिर और उचित वेतन से वंचित किया जा रहा है

भारत के गिग कामगारों ने 2025 का साल 31 दिसंबर, 2025 को आखिरी दिन अखिल भारतीय हड़ताल के साथ खत्म किया, जिसमें उन्होंने उचित वेतन और काम करने की बेहतर स्थितियों की मांग की, जो पिछले तीन महीनों में काफी खराब हो गई हैं। यह सब केंद्र सरकार के बार-बार इस दावे के बावजूद हुआ कि वे देश में गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं, जिसमें 21 नवंबर, 2025 को अधिसूचित नए श्रम कानूनों के तहत उन्हें शामिल करना भी शामिल है। अगर चीजें इसी दिशा में चलती रहीं, तो 2026 में गिग वर्कर्स के बड़े और मजबूत विरोध प्रदर्शन और हड़ताल देखने को मिलेंगे।

गिग वर्कर्स की देशव्यापी नए साल की पूर्व संध्या की हड़ताल का विशेष महत्व है, भले ही डिलीवरी वर्कर्स से इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, मुख्य रूप से कम वेतन और सुरक्षा लाभों की कमी के खिलाफ उनके विरोध की प्रकृति के कारण। नए श्रम कानूनों की अधिसूचना के तुरंत बाद, जिसके बारे में केंद्र सरकार का कहना है कि इसने गिग वर्क र्स के कल्याण का ध्यान रखा है, यह हड़ताल कई लोगों के लिए आश्चर्य की बात थी, लेकिन इसे सामाजिक रूप से जागरूक उपभोक्ता-नागरिकों से भारी समर्थन भी मिला।

दूसरी ओर, इंडिया इंक ने नए श्रम कानूनों के साथ कई चिंताएं जताई हैं, जिसमें गिग वर्कर्स के लिए अलग प्रावधान शामिल हैं जो उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार नियमों को भ्रमित करने वाले बनाते हैं, जबकि श्रमिक संघों और श्रम कानून विशेषज्ञों ने कहा है कि कानूनों के प्रावधानों के बावजूद, गिग वर्कर्स 'गैर-कर्मचारी' की स्थिति तक ही सीमित हैं, इस प्रकार उन्हें नौकरी की सुरक्षा, स्थिर और उचित वेतन से वंचित किया जा रहा है, और उनकी काम करने की स्थितियां, विशेष रूप से 10 मिनट की डिलीवरी की मजबूरी, उनके जीवन को लगातार खतरे में डालती हैं। पूरे भारत में लगभग 3 लाख गिग वर्कर्स हड़ताल पर थे और सुबह 7 बजे से आधी रात 12 बजे तक ऐप से लॉग आउट थे, जिससे डिलीवरी सेवा प्रभावित हुई, जिससे उनके नए साल की पूर्व संध्या का जश्न थोड़ा असुविधाजनक हो गया। इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (आईएफएटी) ने हड़ताल का आह्वान किया था। उनकी मुख्य मांगों में प्रति किमी वेतन को बढ़ाकर 10 रुपये प्रति किमी करना, 10 मिनट की डिलीवरी का विकल्प खत्म करना और रद्द किए गए ऑर्डर के लिए भी भुगतान करना शामिल था। आईएफएटी के अनुसार, पूरे भारत में लगभग 3 लाख गिग वर्कर्स ने हड़ताल में हिस्सा लिया, जिसमें अकेले कर्नाटक में लगभग 60,000 डिलीवरी एजेंट थे, जिनमें से ज्यादातर बेंगलुरु, मैसूरु और मंगलुरु से थे। तेलंगाना में लगभग पूरी भागीदारी थी। हालांकि, तमिलनाडु में यह आंशिक भागीदारी थी। देश भर की किचन में हजारों फूड पैकेट बिना डिलीवर किए रह गए। दिल्ली में, 1.5 लाख गिग वर्कर्स में से सिर्फ 10 प्रतिशत ने काम किया, और उनमें से ज्यादातर जोमैटो के डिलीवरी एजेंट थे। देर शाम तक, आईएफएटी के राज्य उपाध्यक्ष ओम प्रकाश राघव ने दावा किया कि कंपनियां 3 किलोमीटर की दूरी के लिए प्रति डिलीवरी 150 रुपये देने की घोषणा कर रही थीं, लेकिन आखिरी समय में इस सांत्वना पुरस्कार को लेने वाले बहुत कम लोग थे।

हड़ताल का मुख्य कारण मजदूरी में कटौती था। सिर्फ तीन महीने पहले, आईएफएटी के उपाध्यक्ष मोहम्मद इनायत अली ने कहा कि डिलीवरी वर्कर्स को 10 रुपये प्रति किलोमीटर का भुगतान किया जा रहा था। हालांकि, जोमैटो ने इसे घटाकर सिर्फ 6 रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया, और फिर सभी कंपनियों ने बाद में ऐसी ही किया। उन्होंने कहा कि जब ऑर्डर आखिरी समय में रद्द हो जाता है, तो डिलीवरी एजेंट को कुछ नहीं मिलता। हमारी मांग है कि डिलीवरी वर्कर्स के समय और ट्रांसपोर्टेशन लागत के नुकसान को रोकने के लिए उन्हें प्रति किलोमीटर वही दर दी जानी चाहिए। इसके अलावा, 10-मिनट डिलीवरी के ऑप्शन को स्थायी रूप से हटा दिया जाना चाहिए, क्योंकि डिलीवरी एजेंटों को गन्तव्य तक पहुंचने के लिए जल्दबाजी करनी पड़ती है, जिससे उनकी जान की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। जैप्टो, ब्लिंकिट और इंस्टामार्ट का यह ऑप्शन डिलीवरी वर्कर्स की जान के लिए खतरनाक है, और उनमें से कई दुर्घटनाओं का शिकार हुए हैं। गिग वर्कर्स प्राकृतिक न्याय की भी मांग कर रहे थे। वर्तमान में, ग्राहकों की शिकायतों पर गिग एजेंटों या वर्कर्स की आईडी ब्लॉक कर दी जाती हैं, बिना उन्हें अपना पक्ष रखने का समय दिए। आईएफएटी का कहना है कि उन्हें वेतन कटौती, असुरक्षित काम की स्थिति, असंभव समय सीमा के भीतर डिलीवरी करने के लिए अमानवीय दबाव, और डिलीवरी ऐप कंपनियों की मनमानी नीतियों जैसी लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के कारण हड़ताल पर जाना पड़ा।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि गिग वर्कर्स अपने वाहनों, ईंधन और फोन में निवेश करते हैं हैं और उनमें से कई गिग वर्कर के रूप में बने रहने के लिए कर्ज लेते हैं। त्योहार के दिन डिलीवरी ऐप वर्कर्स का हड़ताल पर जाना उनके लिए भारी आय का नुकसान था, लेकिन उन्होंने अपनी बात मनवाने के लिए पूरे भारत में समन्वित कार्रवाई की। गिग वर्कर्स ने यह दिखाया कि वे अब आईडी ब्लॉक करने जैसे दंडात्मक कार्रवाई का सामना करने के लिए भी तैयार हैं, यह दिखाते हुए कि वे अपनी गरिमा, अधिकारों, मजदूरी और अपनी जान की सुरक्षा के लिए एक बड़ी लंबी लड़ाई के लिए तैयार हैं। भारत में गिग वर्क र्स की काम करने की स्थिति बहुत खराब रही है, जबकि केंद्र सरकार उन्हें थोड़ी राहत देने में भी बहुत धीमी रही है। उन्हें जो कुछ भी दिया गया है, वह बहुत कम है, इसके बावजूद कि सरकार गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा और कल्याण पर काम करने का दावा करती है। ई-श्रम पोर्टल पर उनका रजिस्ट्रेशन करना, आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य लाभ देना, नयी श्रम संहिताओं में उनके स्टेटस और अधिकारों को परिभाषित करने वाले प्रावधान शामिल करना, और संभावित रूप से उनके कल्याण के लिए प्लेटफॉर्म से योगदान अनिवार्य करना, जिसका मकसद जीवन और शारीरिक सुरक्षा और बेहतर काम करने की स्थिति देना है। हालांकि, गिग वर्कर्स की अखिल भारतीय हड़ताल ने यह दिखा दिया है कि असल में सरकारी प्रचार कितना खोखला है।

यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया द्वारा समर्थित पीपल्स एसोसिएशन इन ग्रासरूट्स एक्शन एंड मूवमेंट की 'प्रिजनर्स ऑन व्हील्स' नाम की एक रिपोर्ट के अनुसार, सर्वे किए गए 80 प्रतिशत से ज्यादा मजदूर दिन में 10 घंटे से ज्यादा काम करते हैं, जबकि 30 प्रतिशत से ज्यादा 14 घंटे से अधिक समय तक काम करते हैं। ज्यादातर ड्राइवर महीने में 15,000 रुपये से कम कमाते हैं, जबकि डिलीवरी वर्कर 10,000 रुपये से कम कमाते हैं। उनमें से लगभग आधे लोग एक हफ्ते में एक भी दिन की छुट्टी नहीं ले पाते। 99 प्रतिशत से ज्यादा लोगों ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की शिकायत की, और उनमें से लगभग आधे लोगों ने काम पर हिंसा की शिकायत की। उनमें से ज्यादातर लोगों ने अपनी आईडी मनमाने ढंग से डीएक्टिवेट किए जाने की शिकायत की। केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि नोटिफाइड नए लेबर कोड 1 अप्रैल, 2026 से पूरी तरह से लागू किए जाएंगे, लेकिन भारत के गिग वर्कर्स के लिए ज्यादा उम्मीद नहीं है। उन्हें सिर्फ. सोशल सिक्योरिटी कोड 2020 में शामिल किया गया है, लेकिन वे नॉन-एम्प्लॉई ही रहेंगे। इसके अलावा, मजदूरों के लिए वेतन, काम के घंटे, डेटा ट्रांसपेरेंसी, शिकायत निवारण या प्लेटफॉर्म की एल्गोरिथमिक जवाबदेही पर अभी तक कोई लागू करने योग्य मानदंड नहीं हैं। 2025 के आखिरी दिन बड़े पैमाने पर हुई अखिल भारतीय हड़ताल के साथ, गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स ने 2026 की शुरूआत जोरदार तरीके से की है, जिससे उनकी अक्सर नजरअंदाज की जाने वाली शिकायतों को सामने लाया गया है, और डिलीवरी ऐप कंपनियों के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकारों को भी सोचने पर मजबूर कर दिया है। संकेत हैं कि गिग वर्कर्स सहित मजदूरों के पास 2026 में और जोरदार आन्दोलन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

बंदूकधारियों के हमले में 40 से ज्यादा ग्रामीणों की मौत, कई महिलाएं और बच्चे अगवा

(एजेन्सी)।

उत्तरी नाइजीरिया का नाइजर राज्य एक बार फिर भीषण हिंसा से दहल उठा है। शनिवार शाम भारी हथियारों से लैस बंदूकधारियों ने एक दूरदराज के गांव 'कसुवान-दाजी' पर धावा बोल दिया। इस बर्बर हमले में कम से कम 30 से 40 लोगों के मारे जाने की खबर है, जबकि दर्जनों ग्रामीणों को अगवा कर लिया गया है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, हमलावरों ने शनिवार शाम गांव को घेर लिया और निवासियों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों ने न केवल लोगों की जान ली, बल्कि स्थानीय बाजार और घरों को भी आग के हवाले कर दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि यह हमला लगभग तीन घंटे तक चला। दहशत का आलम यह है कि जीवित बचे लोग अपनों के शवों को उठाने के लिए गांव लौटने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। जहां पुलिस ने 30 मौतों की पुष्टि की है, वहीं स्थानीय लोगों और कैथोलिक चर्च के प्रवक्ता रेवरेंड फादर स्टीफन कबीरात का दावा है कि मरने वालों की संख्या 40 के पार हो चुकी है। हैरान करने वाली बात यह है कि ग्रामीणों ने हमले से एक हफ्ते पहले ही इलाके में संदिग्ध बंदूकधारियों की मौजूदगी की सूचना दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। हालांकि, पुलिस प्रवक्ता वासिउ अबियोदुन ने दावा किया कि सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं, लेकिन निवासियों ने रविवार तक किसी भी सुरक्षा बल के गांव पहुंचने से इनकार किया है। पुलिस के अनुसार, हमलावर संभवतः पास के नेशनल पार्क के घने जंगलों से आए थे। नाइजीरिया के ये विशाल और सुनसान जंगल अब सशस्त्र गिरोहों के लिए सुरक्षित ठिकाने बन गए हैं। यह वही इलाका है जहां पिछले साल नवंबर में एक कैथोलिक स्कूल से 300 से अधिक बच्चों और शिक्षकों का अपहरण किया गया था। अफ्रीका के सबसे अधिक आबादी वाले देश नाइजीरिया में फिरौती के लिए अपहरण और सामूहिक हत्याएं अब एक गंभीर संकट बन चुकी हैं, विशेषकर उन ग्रामीण क्षेत्रों में जहां सरकार और सुरक्षा बलों की पहुंच सीमित है।

ईरान में विरोध प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या 15 हुई

(एजेन्सी)।

ईरान की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के कारण भड़के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में कम से कम 15 लोगों की मौत हो चुकी है। एक मानवाधिकार एजेंसी ने यह जानकारी दी। अमेरिका स्थित ूमन राइट एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने रविवार सुबह बताया कि ईरान के 31 प्रांतों में से 25 प्रांतों में 170 से अधिक स्थानों पर प्रदर्शन हुए हैं। उसने बताया कि मरने वालों की संख्या कम से कम 15 हो गई है और 580 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता ने देश में अशांति उत्पन्न करने वाले विरोध प्रदर्शनों को लेकर कहा कि दंगाइयों पर सख्ती करनी होगी।

सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की ये टिप्पणियां एक सप्ताह से जारी प्रदर्शनों के प्रति अधिकारियों को अधिक आक्रामक रुख अपनाने की अनुमति देने का संकेत प्रतीत होती हैं। विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा के संबंध में 86 वर्षीय अयातुल्ला अली खामेनेई की यह पहली टिप्पणी है। विरोध-प्रदर्शन का सिलसिला थमता नहीं दिख रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान को चेतावनी दी थी कि अगर तेहरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा करता है, तो अमेरिका उनको बचाने के लिए आगे आएगा। यह हालांकि, अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप हस्तक्षेप करेंगे या नहीं और यदि करेंगे तो कैसे करेंगे लेकिन उनकी टिप्पणियों को लेकर ईरान ने तीखी प्रतिक्रिया दी। ईरान के अधिकारियों ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाने की धमकी दी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब ट्रंप ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया है।

मादुरो तेहरान के लंबे समय से सहयोगी रहे हैं। यह 2022 के बाद से ईरान में सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन है। पुलिस हिरासत में 2022 में 22 वर्षीय महसा अमीनी की मौत के बाद देशव्यापी प्रदर्शन हुए थे। अमीनी को अधिकारियों ने हिजाब न पहनने के कारण हिरासत में लिया था।

बांग्लादेश ने भारत में खेलने से किया इनकार

(एजेन्सी)।

भारत और बांग्लादेश के बीच क्रिकेट के रिश्तों में अचानक आई तल्खी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर तक असर दिखाने लगी हैं। ताजा घटनाक्रम में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को उसके खेल मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि वह आईसीसी से अनुरोध करे कि टी20 वर्ल्ड कप 2025 में भारत में होने वाले बांग्लादेश के लीग मुकाबलों को श्रीलंका स्थानांतरित किया जाए। बता दें कि यह निर्देश उस फैसले के बाद आया है, जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के निर्देश पर आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज कर दिया। गौरतलब है कि मुस्तफिजुर को हाल ही में अबू धाबी में हुई नीलामी में 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा गया था, लेकिन अचानक उनका अनुबंध रद्द कर दिया गया। मौजूद जानकारी के अनुसार, इस घटनाक्रम के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की एक आपात बैठक हुई, हालांकि बोर्ड अध्यक्ष और पूर्व कप्तान अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने सार्वजनिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की हैं। वहीं, बांग्लादेश सरकार के सलाहकार आसिफ नजरुल ने सोशल मीडिया पर स्पष्ट किया कि उन्होंने बोर्ड को निर्देश दिया है कि आईसीसी को लिखित रूप में यह बताया जाए कि यदि किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी को भारत में खेलना सुरक्षित नहीं समझा जाता, तो राष्ट्रीय टीम भी भारत आकर वर्ल्ड कप खेलने में खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि औपचारिक रूप से मांग की जाए कि बांग्लादेश के चारों लीग मुकाबले श्रीलंका में कराए जाएं। बांग्लादेश को यह मुकाबले 7 फरवरी को वेस्टइंडीज, 9 फरवरी को इटली, 14 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ कोलकाता में और 17 फरवरी को नेपाल के खिलाफ मुंबई में खेलने हैं।

दूसरी ओर, बीसीसीआई से जुड़े सूत्रों का कहना है कि टूनामेंट में केवल एक महीने का समय बचा होने के कारण ऐसा बदलाव लगभग असंभव हैं।

सरकार उर्वरक के दुरुपयोग को रोकेगी, संतुलित उपयोग सुनिश्चित करेगी : नड्डा

(एजेन्सी)।

केंद्रीय उर्वरक मंत्री जे पी नड्डा ने शनिवार को कहा कि सरकार विभिन्न विभागों के समन्वय से संतुलित उर्वरक उपयोग और गैर-कृषि उद्देश्यों के लिए उर्वरकों के उपयोग से संबंधित मुद्दों का समाधान करेगी। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक दिवसीय चिंतन शिविर को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा किसानों को शासन के केंद्र में रखा है और नीतियों का उद्देश्य किसानों के जीवन को आसान बनाना होना चाहिए। उन्होंने कहा, विभिन्न चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद विभाग ने किसानों की उर्वरक जरूरतों को सफलतापूर्वक पूरा किया है। उन्होंने बताया कि किसान हितैषी नीतियों के कारण इस वर्ष रिकॉर्ड उत्पादन हुआ और आवश्यकतानुसार आयात भी किया गया। उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि यह विचार-मंथन सत्र वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में उपयोगी सुझाव देने में सहायक होगा। उर्वरक सचिव रजत कुमार मिश्रा ने कहा कि सरकार ने विचार-विमर्श में किसानों को केंद्र में रखा है। उन्होंने कहा, इस शिविर को इतना संवादात्मक बनाया गया है कि हर विचार पर चर्चा हो सके और सामूहिक समझ से बेहतर नतीजे सामने आएं।

राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर में आयोजित इस शिविर में 15 समूहों ने नए दौर के उर्वरक, उर्वरक उत्पादन में आत्मनिर्भरता, किसानों तक पहुंच और जागरूकता, डिजिटल माध्यमों से उर्वरक व्यवस्था में सुधार और पोषक तत्व आधारित सब्सिडी जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा की।

बेटी को हवा में उछालकर रणबीर कपूर ने लुटाया प्यार

(एजेन्सी)। बॉलीवुड के सबसे क्यूट कपल में शुमार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट ने इन दिनों न्यू ईयर वेकेशन पर हैं। रणबीर और आलिया ने अपनी बेटी राहा के साथ विदेश में नए साल का स्वागत किया। आलिया ने हाल ही में अपनी छुट्टियों की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की, जिसमें रणबीर और राहा का प्यारा बॉन्ड दिख रहा है और फैंस यह देखकर बहुत खुश हैं कि वे एक साथ कितने प्यारे लग रहे हैं। रविवार को आलिया ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दीं और अपनी वेकेशन की अपनी खुशहाल फैमिली की एक प्यारी सी फोटो शेयर की। इन तस्वीर में आलिया, रणबीर और राहा सभी ने व्हाइट आउटफिट पहने हुए हैं और एक खूबसूरत सनसेट बैकग्राउंड में बीच पर क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं। आलिया प्यार से देख रही हैं, उनके चेहरे पर बड़ी मुस्कान है, क्योंकि रणबीर अपनी बेटी राहा को हवा में उछाल रहे हैं, जिससे यह पल परियों की कहानी जैसा लग रहा है। इस परफेक्ट तस्वीर के साथ आलिया ने लिखा, "और तुम ऊपर जाओगी प्यार.. हैप्पी 2026।" इस समय यह तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है और फैंस अपना प्यार लुटा रहे हैं।

सोमनाथ हमारे आत्मबल, पुनर्जागरण और अविनाशी विश्वास का है प्रतीक: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एसबी संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यह सौभाग्य का विषय है कि भगवान श्रीमहाकाल और ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग हमारे प्रदेश में विद्यमान है और प्रदेश की राजधानी भोपाल में मूल सोमनाथ ज्योतिर्लिंग दर्शन का अवसर प्राप्त हो रहा है।

बार-बार ध्वस्त होकर भी सोमनाथ का पुनर्निर्माण यह उद्घोष है कि, शिव शाश्वत हैं, हमारी आस्था अडिग है और सनातन की चेतना अमर है। सोमनाथ हमारे आत्मबल, पुनर्जागरण और अविनाशी विश्वास का प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को आर्ट ऑफ लिविंग संस्था एवं भोपाल उत्सव मेला की सोमनाथ ज्योतिर्लिंग रूद्र पूजा और मूल सोमनाथ ज्योतिर्लिंग दर्शन के रवीन्द्र भवन- मुक्ताकाश परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, विधायक श्री भगवान दास सबनानी, भोपाल उत्सव मेला के श्री मनमोहन अग्रवाल, सामाजिक कार्यकर्ता श्री माखन सिंह और श्री राहुल कोठारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिव ही सत्य और सनातन हैं। पंच महाभूतों से बने हमारे शरीर का शिव ही सनातन संस्कृति की मूल अवधारणाओं से परिचय कराते हैं। शिव ही हमारे विकारों का संहार करते हैं। सनातन के विरोध का भाव रखने वाली संस्कृतियां, वर्तमान में स्वयं आतंरिक संकट से ग्रस्त हैं। जबकि सदैव विश्व के कल्याण की कामना करने वाली भारतीय संस्कृति, संसार को एक परिवार मानते हुए आगे बढ़ रही है। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जहां एक ओर श्री सोमनाथ महादेव का पुनर्निर्माण कराया वहीं प्रधानमांत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राम मंदिर की स्थापना की। उज्जैन में महाकाल जन-जन की श्रद्धा के केंद्र के रूप में विद्यमान हैं। यह इस तथ्य को स्थापित करता है कि सनातन आदि और अनंत है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी का आध्यात्मिक ज्ञान, उनकी आत्मीयता और मानवमात्र के प्रति प्रेम, सम्मानीय है। उनके द्वारा प्रसारित, सांस लेने की लयबद्ध सुदर्शन क्रिया की तकनीक ने कई लोगों के जीवन से तनाव, चिंता और अवसाद जैसे जटिल विकारों का निदान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रूद्र पूजन में भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों को सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करने की कामना की।

हरियाणा में बिगड़ती कानून-व्यवस्था चिंता का विषय: कुमारी सैलजा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

चंडीगढ़। हरियाणा में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। प्रदेश में बढ़ते अपराध, लूटपाट, महिलाओं के खिलाफ जघन्य वारदातें और आम नागरिकों में फैलता भय इस बात का स्पष्ट संकेत है कि राज्य में कानून का शासन कमजोर पड़ चुका है। यह कहना है सिरसा की सांसद, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री कुमारी सैलजा का।

कुमारी सैलजा ने आज जारी एक बयान में कहा कि हाल ही में करनाल में सरार्फा व्यापारी पर हुए नृशंस हमले और पानीपत में महिला की निर्मम हत्या जैसी घटनाएं प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। अपराधी खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं और आम आदमी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है, जबकि सरकार हालात पर नियंत्रण पाने में पूरी तरह विफल नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि गांव-शहर, बाजार-सड़क कोई भी जगह सुरक्षित नहीं रह गई है। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध समाज के लिए कलंक हैं और यह स्थिति हरियाणा जैसे प्रगतिशील प्रदेश के लिए अत्यंत चिंताजनक है। केवल बयानबाजी से नहीं, बल्कि ठोस और सख्त कार्रवाई से ही अपराध पर लगाम लगाई जा सकती है। खुद मुख्यमंत्री को इस ध्यान देकर स्थिति को संभालना होगा।

सिरसा की सांसद सैलजा ने राज्य सरकार से मांग की कि प्रदेश में तत्काल प्रभाव से कानून का शासन लागू किया जाए। अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पुलिस-प्रशासन को जवाबदेह बनाया जाए और जनता में सुरक्षा का भरोसा बहाल किया जाए।

राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियों में जुटा रिटायर्ड कर्मचारी संघ

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। रिटायर्ड कर्मचारी संघ ब्लॉक मुनक की बैठक परशुराम धर्मशाला, मुनक में खंड प्रधान सूरत शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन बलराज सिंह ने किया।

बैठक में विशेष रूप से दयानंद मान, माईचंद शर्मा, महेंद्र मान, सुरेंद्र रावत, मनोहर लाल, यशपाल कालरम व बलराज सिंह उपस्थित रहे। बलराज सिंह व सुरेंद्र रावत ने बताया कि कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय सम्मेलन 22 व 23 फरवरी 2026 को सैनी धर्मशाला, कुरुक्षेत्र में आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर के सभी सरकारी विभागों, बोर्डों, निगमों, कार्पोरेशनों व मान्यता प्राप्त संस्थाओं के रिटायर्ड कर्मचारी भाग लेंगे। सम्मेलन के दौरान आगे की रणनीति तय कर आंदोलन की घोषणा की जाएगी।

बैठक में डा. रणदीप, महेंद्र मान, सतकवार, सूरत शर्मा, शिवचरण, दयानंद मान, सुभाष मान, माईचंद शर्मा, बिशन संधू, पाल सिंह, ओमप्रकाश, सतबीर मान, सुरेंद्र मान, प्रताप संधू व जयपाल संधू सहित अन्य वक्ताओं ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया।

महेंद्र मान, मनोहर लाल, यशपाल कालरम व सूरत शर्मा ने संगठन को मजबूत करने के लिए सदस्यता अभियान तेज करने, साथियों के लंबित मामलों को लिखित रूप में संकलित करने तथा तानाशाही प्रवृत्तियों के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मांगों को मजबूती से उठाने को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर सुलतान सिंह, फतेह सिंह, ईश्वर सिंह, धन सिंह, पालाराम, कर्ण सिंह, ओमप्रकाश, रूलिया राम, जयकरण, राय सिंह, शिवचरण, मोली राम, राजबीर, राजकुमार, बलदेव सिंह, वीरभान, बिशन सिंह व जयपाल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

कैशलैस मेडिकल सुविधा व आयु अनुसार इंक्रीमेंट की उठी मांग

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मासिक बैठक रविवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सेवानिवृत्त डीएसपी कलिराम राणा ने की।

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने अपनी विभिन्न मांगों एवं समस्याओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। इस दौरान सदस्यों ने प्रदेश सरकार से सेवानिवृत्त पुलिस कर्मचारियों व उनके आश्रितों के लिए कैशलैस मेडिकल सुविधा लागू करने की मांग की। इसके अलावा सदस्यों ने रिटायर कर्मचारियों को आयु के अनुसार इंक्रीमेंट देने की भी मांग उठाई। प्रस्ताव के अनुसार 65 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 5 प्रतिशत, 70 वर्ष पर 5 प्रतिशत, 75 वर्ष पर 5 प्रतिशत तथा 80 वर्ष की आयु पर 5 प्रतिशत इंक्रीमेंट दिया जाए।

बैठक में राममेहर दहिया, सुखबीर त्यागी, मोहर सिंह, जगदेव दहिया, सुलतान सिंह, भीम सिंह सैनी, रामभजन वर्मा, श्रीदत्त शर्मा, रामकुमार, महाबीर सिंह, विनोद वालिया, ईश्वर सिंह दहिया, विजयपाल, राजेंद्र कुमार एवं सुरेंद्र शर्मा ने सरकार से उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान देने की अपील की।

गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में शहर में निकाला नगर कीर्तन

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में रविवार को शहर में नगर कीर्तन निकाला गया। जिसमें हजारों की संख्या में संगत ने हिस्सा लिया। पालकी साहिब की अगुवाई पंज प्यारों ने की। नगर कीर्तन गुरुद्वारा डेहरा साहिब से शुरू हुआ। नगर कीर्तन जींद चौंक, करनाल रोड, सालवन चौंक, नानकपुरा चौंक, ढोल चौंक, सब्जी मंडी से होते हुए गुरुद्वारा डेहरा साहिब में सम्पन्न हुआ। जगह-जगह नगर कीर्तन का लोगों ने स्वागत किया।

नगर कीर्तन के मुख्य आकर्षण का केंद्र गुरु ग्रंथ साहिब जी की पावन पालकी रही, जिसे फूलों और रोशनी से बेहद सुंदर तरीके से सजाया गया था। पालकी के आगमन से पूर्व श्रद्धालु सेवा भाव से सड़क की सफाई और पानी का छिड़काव करते नजर आए। नगर कीर्तन में बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हुए। करनाल रोड पर नगर कीर्तन के दौरान हरियाणा किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष शेर प्रताप शेरी ने पहले पंज प्यारों का सिरोपे पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने पालकी साहिब के समक्ष माथा टेककर प्रसाद ग्रहण किया। जिन मुख्य मार्गों से होता हुआ नगर कीर्तन गया वहां पर गुरु का प्रसाद भी बांटा गया। जीवन चानन महिला महाविद्यालय में लंगर का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर गुरुद्वारा डेहरा साहिब के प्रधान चतर सिंह कालोका, सुखविंदर सिंह, गुरमुख सिंह छीन्ना, मंगलवीर सिंह, जसबीर कालोका, जसवंत पन्नू, गुरमुख सिंह, दलजीत, महल सिंह निशोरिया, पूर्व सरपंच युद्धवीर सिंह खेड़ी शर्फअली सहित अन्य मौजूद रहे।

वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री ने अलवर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में की शिरकत

एसबी संवाददाता/जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को अलवर में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की। वन राज्यमंत्री श्री शर्मा ने आमजन को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए अलवर के उत्तरोतर विकास की कामना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा पेयजल, इंफ्रास्ट्रक्चर, विद्युत आपूर्ति आदि क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य किए गए है तथा आमजन की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के सार्थक प्रयास किए गए हैं।

सड़कों की समस्याओं का होगा त्वरित समाधान, 'म्हारी सड़क' एप पर शिकायत दर्ज करें नागरिक: डीसी अपराजिता

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। प्रदेश में सड़कों की स्थिति को बेहतर बनाने और आमजन की शिकायतों के समाधान के लिए हरियाणा सरकार ने तकनीक को अपनाया है।

डीसी अपराजिता ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'म्हारी सड़क' एप की जानकारी साझा करते हुए बताया कि प्रदेश का कोई भी नागरिक खराब सड़कों की शिकायत सीधे सरकार तक पहुँचा सकता है। उन्होंने बताया कि इस एप को विशेष रूप से पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने के लिए डिजाइन किया गया है। यदि किसी क्षेत्र की सड़क टूटी हुई है या उसमें गड्ढे हैं, तो नागरिक सड़क की लाइव फोटो एप पर अपलोड कर सकते हैं। फोटो के साथ अधिकतम 50 शब्दों में समस्या का संक्षिप्त विवरण दे सकते हैं।

एप की खास बात यह है कि इसमें प्रदेश की सभी सड़कों को संबंधित विभागों (जैसे पीडब्ल्यूडी, एचएसवीपी, मार्केटिंग बोर्ड आदि) के साथ मैप किया गया है, जिससे शिकायत सीधे संबंधित अधिकारी तक पहुँचती है।

उपायुक्त कैथल अपराजिता।

डीसी अपराजिता ने कहा कि इस व्यवस्था को केवल शिकायत दर्ज करने तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसके समाधान पर भी कड़ा पहरा है। शिकायत का निपटारा होने के बाद विभाग द्वारा एप पर ही समाधान की रिपोर्ट और फीडबैक अपलोड किया जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय की एक विशेष समीक्षा टीम सीधे शिकायतकर्ता से संपर्क करेगी और पूछेगी कि क्या वे समाधान से संतुष्ट हैं।

डीसी अपराजिता ने कहा कि यदि कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं पाया गया, तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश की हर सड़क चलने योग्य और सुरक्षित हो। 'म्हारी सड़क' एप आमजन को सशक्त बनाता है कि वे अपनी समस्याओं को सीधे प्रशासन के संज्ञान में लाएं।

कैसे काम करता है एप?-यह एप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। यहां से इसे डाउनलोड किया जा सकता है। एप को जीपीएस से जोड़ा गया है, जिससे फोटो खींचते ही सड़क की सटीक लोकेशन विभाग को मिल जाती है। एप खुद पहचान लेता है कि वह सड़क किस विभाग के अधिकार क्षेत्र में आती है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करोड़ा में लिंगानुपात सुधार को लेकर जागरूकता बैठक आयोजित

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप सिंह ने कर्मचारियों को दिया बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करोड़ा में सिविल सर्जन कैथल डॉ. रेणु चावला के निदेर्शानुसार वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप सिंह की अध्यक्षता में लिंगानुपात सुधारने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करोड़ा के अधीन कार्यरत सभी महिला एवं पुरुष बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकताओं ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. संदीप सिंह ने कहा कि सभी स्वास्थ्य कर्मचारी अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को लिंगानुपात के प्रति जागरूक करें। उन्होंने बताया कि बेटियों को समाज के लिए बोझ नहीं समझना चाहिए, क्योंकि आज बेटियां देश की सुरक्षा, खेल, राजनीति सहित हर क्षेत्र में बेटों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहां लड़कियों की भागीदारी न हो। उन्होंने कहा कि एक बेटी दो परिवारों की जिम्मेदारी निभाती है– शादी से पहले अपने मायके में माता-पिता व परिवार की देखभाल करती है और शादी के बाद ससुराल में भी पूरे परिवार का ध्यान रखती है। इसलिए बेटियों को शिक्षित करना हम सभी का कर्तव्य है।

डॉ. संदीप सिंह ने स्पष्ट किया कि गर्भ के दौरान लिंग जांच करवाना कानूनन अपराध है। यदि किसी को अपने आसपास या रिश्तेदारी में लिंग जांच की जानकारी मिलती है तो इसकी सूचना तुरंत स्वास्थ्य विभाग को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गोपनीय रखा जाएगा तथा सूचना सही पाए जाने पर सरकार की ओर से एक लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। वहीं, लिंग जांच करवाते पाए जाने पर दोषी को तीन साल की कैद व जुमार्ने का प्रावधान है।

उन्होंने सभी कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं पर निगरानी रखें और यह सुनिश्चित करें कि अल्ट्रासाउंड कहां और किस दिन करवाया गया है। सभी आशा वर्कर नियमित रूप से घर-घर भ्रमण कर यह भी जांच करें कि किसी गर्भवती महिला ने अवैध गर्भपात तो नहीं करवाया है। यदि किसी महिला को अनचाहा गर्भ है तो वह सरकारी अस्पताल में महिला चिकित्सक की सलाह से सुरक्षित गर्भपात करवा सकती है। साथ ही सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे कर्मचारियों व आशा वर्करों के सहयोग से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत प्रत्येक सप्ताह कम से कम एक जागरूकता गतिविधि अवश्य आयोजित करें, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें।

इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डॉ. रोहित नैन, स्वास्थ्य निरीक्षक जितेंद्र सिंह, स्वास्थ्य निरीक्षक राजेश कुमार, खंड विस्तार शिक्षक श्रीमती सुदेश कुमारी तथा महिला सुपरवाइजर श्रीमती सुमित्रा देवी उपस्थित रहे।

पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाएं पात्र नागरिक: डीसी अपराजिता

सोलर सिस्टम लगाकर ऊर्जा संबंधित जरूरतों को पूरा करने में खुद को बनाये सक्षम

एसबी संवाददाता

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है। अंत्योदय परिवार जिनकी सालाना आय 1.80 लाख से कम है व जिनकी सालाना बिजली खपत 2400 युनिट तक है, वे दो किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 60 हजार रुपये व हरियाणा सरकार की ओर से 50 हजार रुपये अनुदान यानि कि कुल 1.10 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त कर सकते हैं। जिन परिवारों की सालाना आय तीन लाख रुपये तक है व जिनकी सालाना बिजली खपत 2400 युनिट तक है वो परिवार दो किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 60 हजार रुपये व हरियाणा सरकार की ओर से 20 हजार रुपये का अनुदान यानि कि कुल 80 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद तीन किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 78 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

उपायुक्त कैथल अपराजिता।

उन्होंने बताया केंद्र सरकार का अनुदान सभी आय वर्गों के लोगों को दिया जाएगा। यानि केंद्र का अनुदान लेने के लिए आय से संबंधित कोई शर्त नहीं है। इस योजना का लाभ लेने से बिजली बिल जीरो हो जाएगा और जो अतिरिक्त बिजली बचेगी, उस बिजली को भी सरकार खरीदेगी, जिससे उनकी अतिरिक्त आय होगा। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की यह बेहतरीन योजना है जिसके द्वारा समाज की हर वर्ग की ऊर्जा संबंधित जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। अगर खपत से ज्यादा बिजली का उत्पादन सोलर पैनल द्वारा किया जाता है तो वह बिजली के खाते में जाएगा जिसका भुगतान सरकार द्वारा उक्त मकान मालिक को किया जाएगा। इस योजना से सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे पर्यावरण प्रदूषण कम होगा और स्वच्छ ऊर्जा के स्त्रोतों को अपनाने में मदद मिलेगी।

रामलीला ग्राउंड के पास बना गहरा गड्ढा, नागरिकों ने नगर पालिका से की त्वरित समाधान की मांग

राजौंद के वार्ड 11 में गली धंसने से बढ़ा हादसों का खतरा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद नगर के वार्ड नंबर 11 में रामलीला ग्राउंड के पास स्थित गली के बीचो-बीच गहरा गड्ढा बन गया है, जो राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर हादसों को न्यौता दे रहा है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार इस गली की नाली कई महीनों से टूटी हुई है। पानी जमीन में लगातार समा रहा है।

नागरिकों ने बताया कि कुछ समय पूर्व इस गली में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सीवरेज की पाइपलाइन डाली गई थी। आशंका जताई जा रही है कि पाइपलाइन में रिसाव के कारण भी जमीन नीचे से खोखली हो गई हो। हाल ही में ईंटों से भरी एक भारी लोडिंग ट्राली का टायर गली में धंस गया, जिसके बाद गली के बीचों-बीच बड़ा गड्ढा बन गया। वर्तमान में भी नालियों का पानी लगातार इस गड्ढे में समा रहा है, जिससे आसपास के मकानों, दुकानों और इमारतों की नींव को खतरा पैदा हो गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गली से गुजरते समय बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग या राहगीर कभी भी इस गड्ढे में गिरकर जान-माल का नुकसान उठा सकते हैं। रात के समय यह गड्ढा दिखाई भी नहीं देता, जिससे दुर्घटना की आशंका और अधिक बढ़ जाती है। वाहन चालकों को इस मार्ग से गुजरते समय विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। गली धंसने के वास्तविक कारणों की अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है, लेकिन लगातार कई महीनों से नाली का पानी जमीन में समाना गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। वार्ड 11 के नागरिक पवन मित्तल, कुलदीप सिंह उर्फ राजू, अशोक वर्मा, सुभाष मित्तल, सागर छाबड़ा, अशोक छाबड़ा, रामप्रसाद पटवारी तथा केबीएस एकेडमी से विशाल राणा ने नगर पालिका राजौंद से समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है।

इस संबंध में जब नगर पालिका राजौंद के सचिव नरेंद्र शर्मा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मीडिया के माध्यम से मामला उनके संज्ञान में आया है और बहुत जल्द इस समस्या का स्थायी समाधान करवाया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि नागरिकों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

आरोही आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ग्योंग में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ

बालवीर दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत एनएसएस स्वयंसेवकों ने नीम साहिब गुरुद्वारा कैथल में की जनसेवा

एसबी संवाददाता

कैथल। आरोही आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ग्योंग में सात दिवसीय एनएसएस शिविर की शुरूआत प्रतिदिन की भांति योगाभ्यास एवं वंदे मातरम के साथ हुई। यह शिविर त्याग एवं करुणा के प्रतीक बालवीर दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी एनएसएस वॉलिंटियर्स ने नीम साहिब गुरुद्वारा, कैथल का भ्रमण किया। वहां स्वयंसेवकों ने गुरु तेग बहादुर साहिब एवं गुरु गोविंद सिंह जी के चारों साहबजादों के बलिदान और गौरवशाली इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके उपरांत सभी विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से बर्तन धोकर जनसेवा का कार्य किया, जिससे उनमें सेवा, सहयोग और अनुशासन की भावना विकसित हुई। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने ध्यानपूर्वक कीर्तन सुना तथा लंगर ग्रहण किया। इसके पश्चात सभी छात्र अपने-अपने घरों को लौट गए।

इस अवसर पर हीरा सिंह, दिनेश कुमार, राजेश शर्मा एवं कुलदीप कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पौराणिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक स्थल कौनहारा घाट पर आयोजित हुई भव्य गंगा आरती

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। पौष पूर्णिमा के अवसर पर शनिवार को सायंकाल पौराणिक, सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक स्थल कौनहारा घाट जहां गज और ग्राह की लड़ाई में गजराज को उबारने के लिए भगवान श्री विष्णु स्वयं पधारे थे और जहां कार्तिक पूर्णिमा के पावन दिवस पर लाखों-करोड़ों की संख्या में भारत के लोग सहित विदेशी भी स्नान करने आते हैं। इस स्थल पर भव्य गंगा आरती आयोजित हुई। कड़ाके की ठंड के बावजूद प्रशासनिक अधिकारीगण, गणमान्य के साथ-साथ सैकड़ों आमजनों की उपस्थिति रही। लाइट एंड साउंड सहित आकर्षक सजावट के बीच कार्यक्रम का आरंभ दीप-प्रज्ज्वलन से हुआ जिसमें हाजीपुर विधायक, अवधेश सिंह, एसडीओ, रामबाबू बैठा, एडीएम, संजय कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी, चंदन कुमार शामिल रहे। इनके अतिरिक्त नगर परिषद हाजीपुर के कार्यपालक पदाधिकारी, सुशील कुमार, सिटी मैनेजर, दीपक तिवारी, डीपीओ, नमामि गंगे, मुनेश कुमार तथा उपसभापति, कंचन कुमारी के अतिरिक्त विभागीय कर्मीगण भी मौजूद थे। वैदिक मंत्रोच्चारण से विधिवत मां गंगा की पूजा-अर्चना महाकाल बाबा और उनके सहयोगी पंडितों के द्वारा हुई और अर्चक समूह के द्वारा शंखनाद होते ही संपूर्ण वातावरण ध्वनित तथा भक्तिमय हो गया।

भक्तिमय इस विहंगम दृश्य को देखने, सुनने के लिए स्थानीय आमजनों में सैकड़ों की संख्या में उपस्थिति दिखी।

इस गंगा आरती में सम्मिलित अर्चकों के द्वारा आरती करने की जो भाव -भंगिमा दिखी, वह प्रत्येक मन को आह्लादित करता हुआ दिखाई पड़ा। इस आरती के समापन के बाद उपस्थित गणमान्य को आरती कमिटी के द्वारा अंग-वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस क्रम में नगर परिषद हाजीपुर के कार्यपालक पदाधिकारी, सुशील कुमार ने कहा कि यह गंगा आरती प्रत्येक माह आयोजित की जाती है जिसमें श्रद्धालूओं की आस्था दिखती है। उन्होंने यह भी बताया कि इस आयोजन को सफल बनाने में नगर प्रशासन के साथ-साथ विधायक, अवधेश सिंह की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने आह्वान किया कि लोग इस आयोजन में आयें। इसके बाद एडीएम, संजय कुमार ने कहा कि यह गंगा आरती प्रत्येक मन को आह्लादित करनेवाला है। लोगों की आस्था देखकर अच्छा लग रहा है। प्रशासनिक स्तर पर इसके उत्तरोत्तर विकास में साकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं।

नगर परिषद की उप सभापति, कंचन कुमारी ने उपस्थित लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। हाजीपुर विधायक, अवधेश सिंह ने बताया कि हाजीपुर की जनता के सहयोग से यह आयोजन सफल हो रहा है और आगे भी होता रहेगा। हाजीपुर के चहुंमुखी विकास के लिए हर सद्प्रयास किए जा रहे हैं। यहां की जनता के लिए यदि एक पैर पर खड़ा होने की स्थिति आएगी तो हम खड़े रहेंगे, कहकर उपस्थित लोगों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में सोनू आर्य की उद्घोषणा कड़ाके की ठंड में भी उपस्थित लोगों से ताली खूब बजवा रही थी।

जयंती पर श्रद्धा पूर्वक याद की गई प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले

एसबी संवाददाता

बछवाड़ा(बेगूसराय)। प्रखंड क्षेत्र के चमथा-दो पंचायती स्थित उपस्वास्थ्य केंद्र परिसर में समाजिक सुधारक सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर बिशनपुर पंचायत के पूर्व मुखिया चर्चित साहित्यकार श्रीराम राय ने कहा कि सावित्रीबाई फुले केवल एक नाम नहीं बल्कि संघर्ष साहस और सामाजिक परिवर्तन की प्रतीक थी।

उन्होंने महिलाओं की शिक्षा और समानता के लिए जो संघर्ष किया वह आज भी प्रेरणा देता है। उक्त समारोह में निःसहाय विधवा महिलाओं के बीच कंबल वितरण किया गया।

उक्त मौके पर समाजसेवी कुणाल कुमार, जिला परिषद सदस्य बीना देवी, सहित कई स्थानीय गणमान्य मौजूद थे।

सम्मानित होने पर दी बधाई

एसबी ब्यूरो

दलसिंहसराय(समस्तीपुर)। दलसिंहसराय क्षेत्र के मथुरापुर गांव निवासी प्रख्यात पंडित डॉ. विजय कपूर को बनारस के मंच पर पौष पूर्णिमा के पुनित अवसर पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था वसुधैव कुटुंबकम द्वारा दशम सब्दात्मिका सुर सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत नायक अनिल तिवारी द्वारा गणेश वंदना के साथ विधिवत शुरूआत किया गया। जहां गायन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु पंडित डॉ.विजय कपूर को सब्दात्मिका सुर सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। इन्हें सम्मानित होने पर सीताराम शेरपुरी ने कहा कि पंडित डॉ. विजय कपूर का सम्मान समस्त समस्तीपुर वासी का सम्मान है। हम सभी गौरवान्वित है और उनके उज्जवल

भविष्य की कामना करते हैं। डॉ. रामकुमार चौधरी, युवा कवि मिन्टू झा, योगानंद स्वामी, गोपाल चौधरी, सरोज कुमार चौधरी, उमेश चौधरी, मुरारी चौधरी, सीताराम शेरपुरी, दिलीप कुमार चौधरी, सहित अन्य ने बधाई दी।

बिहार सरकार के आदेशानुसार जीपीडीपी हेतु ग्राम पंचायत राज खानपुर उत्तरी के प्रांगण में विशेष ग्राम सभा का किया जायेगा आयोजन

संजना भारती संवाददाता

खानपुर। ग्राम पंचायत राज खानपुर उत्तरी के सभी पंचायत वासियों किया जाता है कि कल दिनांक 05/01/2026 दिन सोमवार को समय 11 बजे से बिहार सरकार के आदेश के अनुसार जी पी डी पी हेतु ग्राम पंचायत राज खानपुर उत्तरी के प्रांगण में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाना है। जिसमें खानपुर उत्तरी पंचायत के सभी बुद्धिजीवी गण, ग्राम वासी निश्चित रूप से आकर पंचायत के विकास में भागीदार बने एवं पंचायत के सभी पदाधिकारी गण एवं सभी वार्ड सदस्य एवं वार्ड सदस्या को निर्देश दिया जाता है कि अपने-अपने वार्ड के सभी वार्ड वासी को सूचित करेंगे और स समय ग्राम सभा में लेकर आने का कष्ट करेंगे की पंचायत का विकास में आम आवाम की योगदान अच्छी तरह से हो सके और पंचायत के विकास में आम

जनों की भूमिका हो सके।

अतः आप सभी वार्ड सदस्य एवं वार्ड सदस्य को निर्देश दिया जाता है कि ग्राम पंचायत राज खानपुर उतरी के सभी ग्राम वासियों को सूचित करते हुए विशेष ग्राम सभा में लाने की अहम भूमिका निभायेंगे। ग्राम पंचायत राज खानपुर उत्तरी के आंगनबाड़ी सेविका, आशा बहुओं एंव पंचायत के सभी स्वास्थ्य कर्मियों, आवास सहायक, रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक, लेखा पाल सह आईटी सहायक, कार्यपालक सहायक, राजस्व कर्मचारी, विकास मित्र, किसान सलाहकार, स्वच्छता पर्यवेक्षक एवं पंचायत सचिव को आदेश दिया जाता है कि दिनांक 5/01/2026 को स समय ग्राम सभा में उपस्थित होकर खानपुर उत्तरी पंचायत वासियों अपने योजनाओं से अवगत करावेगे।

वही खानपुर उत्तरी पंचायत के मुखिया अरुण कुमार सिंह कुशवाहा के द्वारा खानपुर उत्तरी पंचायत के सभी बुद्वजीवियो, एवं आमजनता से अपील किया है कि विशेष ग्राम सभा में उपस्थित होकर अपनी अपनी समस्या से अवगत करावेंगे।

मुख्यमंत्री ने किया 31वें आईईएस-डिजिआना इंटरप्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

एसबी संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि पत्रकार साथियों की कलम की बाउंसर, शब्दों की गुगली और रिपोर्टर्स का रन रेट लोकतंत्र में चार चांद लगाता है। हमारा मध्यप्रदेश हमेशा से दमदार खिलाड़ियों और मजबूत पत्रकारों की धरती रहा है।

देश हित में पत्रकारिता को दिशा देने वाले प्रदेश के पत्रकारों ने दिल्ली तक को गौरवान्वित किया है। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी और भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जैसे कई पत्रकारों का साहित्य और पत्रकारिता में योगदान अनुकरणीय और वंदनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भोपाल खेल पत्रकार संघ द्वारा ओल्ड कैंपियन ग्राउंड पर आयोजित 31वें आईईएस-डिजिआना इंटरप्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल खेल पत्रकार संघ लगातार तीन दशक से इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट का निरंतर आयोजन कर रहा है। इस आयोजन में क्रिकेट मैच के साथ- साथ आत्मीयता की भी वर्षा होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे स्वयं भी इस क्रिकेट टूर्नामेंट में आने की हैट्रिक लगा रहे हैं।

क्रिकेट टूर्नामेंट को निरंतरता देने संस्था का प्रयास सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, पूर्व विधायक श्री ध्रुव नारायण सिंह, वरिष्ठ पत्रकार श्री मृगेंद्र सिंह, श्री विजय दास, श्री तेजेंद्र सिंह, जिला अध्यक्ष श्री रवीन्द्र यति, समाजिक कार्यकर्ता श्री राहुल कोठारी सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी, अधिकारी, पत्रकार और खेल प्रेमी उपस्थित थे।

शिखर ज्ञान-विज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

संजना भारती ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूं। शिखर इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी एंड नर्सिंग में शिखर विजडम क्वेस्ट 2025 अर्थात शिखर ज्ञान-विज्ञान प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के लिए कक्षा 12 के कुल 1511 छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 1413 विद्यार्थियों ने आज आयोजित परीक्षा में दो पालियों में प्रतिभाग किया, जबकि 98 विद्यार्थी किसी कारणवश प्रतियोगिता में सम्मिलित नहीं हो सके।

पहली पाली प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक आयोजित की गई, जिसमें 694 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक सम्पन्न हुई, जिसमें 719 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी देते हुए सचिव करन थरेजा ने बताया कि इस प्रकार की ज्ञान-विज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन बदायूँ जिले में पहली बार 28 अप्रैल 2024 को शिखर इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी एंड नर्सिंग द्वारा किया गया था। विद्यार्थियों की उत्साहजनक सहभागिता को देखते हुए इसे प्रतिवर्ष आयोजित करने की परंपरा प्रारंभ की गई है, जो

भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी। संस्थान के अध्यक्ष ने बताया कि आज का प्रश्न पत्र एवं उसकी आंसर की (उत्तर कुंजी) अगले दो दिनों में संस्थान की वेबसाइट https://sip-budaun.co.in/ पर अपलोड कर दी जायेंगी, जिसे प्रतियोगी प्रश्न उत्तर का मिलान करके स्वयं मूल्यांकन भी कर सकें।

इस अवसर पर डॉ. आर. के. वर्मा ने कहा कि शिखर ज्ञान-विज्ञान प्रतियोगिता 2025 में इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता से संस्थान के सभी बोर्ड मेंबर्स में प्रसन्नता के साथ-साथ यह जिम्मेदारी का भी बोध होता है कि बदायूँ जनपद के विद्यार्थियों को और अधिक बेहतर शिक्षा, प्रशिक्षण तथा उच्च स्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।

वहीं संस्थान के प्रबंधक विक्रांत मेंदीरत्ता ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को नव वर्ष 2026 का कैलेंडर भेंट कर उनकी आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएँ दीं।

स्वामी गंगा स्वरूप जी महाराज की तृतीय पुण्यतिथि पर 450 लोगों की स्वास्थ्य जांच, 77 यूनिट हुआ रक्तदान

संजना भारती संवाददाता/अरुण शर्मा

पूर्वी दिल्ली। ब्राह्मलीन स्वामी श्री गंगा स्वरूप जी महाराज की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को अग्रवाल धर्मशाला, मानसरोवर पार्क में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर ने समाजसेवा, मानवता और संवेदना की एक सशक्त मिसाल पेश की।

यह आयोजन श्री नारायण आश्रम गंगा मंदिर ट्रस्ट, दधीचि देहदान समिति (उत्तर-पूर्वी क्षेत्र) एवं महाराणा प्रताप सेवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस विराट सेवा आयोजन की केंद्र बिंदु और प्रेरक शक्ति रहीं दधीचि देहदान समिति की सक्रिय सदस्य श्रीमती सीमा गुप्ता, जिनके नेतृत्व, समन्वय और सतत प्रयासों से यह शिविर ऐतिहासिक रूप से सफल रहा। शिविर में करीब 450 लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कराई, जबकि 77 यूनिट रक्तदान हुआ। रक्तदाताओं में युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। पूरे आयोजन में रक्तदान के साथ-साथ देहदान और अंगदान के प्रति जनजागरूकता पर विशेष जोर दिया गया।

शिविर को संबोधित करते हुए श्रीमती सीमा गुप्ता ने कहा-रक्तदान महादान है। जीते-जी रक्तदान करें और मृत्यु के बाद देहदान व अंगदान का संकल्प लें। यही मानव जीवन की सबसे बड़ी सेवा है। स्वामी गंगा स्वरूप जी महाराज का जीवन हमें निस्वार्थ सेवा की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि समाज में जब तक सेवा की भावना जीवित रहेगी, तब तक मानवता सुरक्षित रहेगी। उनके उद्बोधन ने उपस्थित लोगों को गहरे स्तर पर प्रभावित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ राजमाता झंडेवाला मंदिर, श्रीमान गोरख पार्क के राजेश्वरानंद महाराज, डीडीसीए डायरेक्टर प्रवेश शर्मा, पूर्व पार्षद अजय

शर्मा, सेवाधाम प्रबंधक ओंकार नाथ मिश्रा तथा दधीचि देहदान समिति के उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया।शाहदरा विधायक संजय गोयल ने कहा-इस तरह के स्वास्थ्य व रक्तदान शिविर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं। सीमा गुप्ता जैसी समर्पित सामाजिक कार्यकर्ताओं के कारण ही ऐसे आयोजन संभव हो पाते हैं। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं।

कार्यक्रम में कृष्णा नगर विधायक अनिल गोयल, रोहताश नगर विधायक जितेंद्र महाजन, दिल्ली भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनिल गुप्ता, नवीन शाहदरा जिलाध्यक्ष मास्टर विनोद, जिला महामंत्री दुष्यंत वर्मा, अनेक निगम पार्षद, सामाजिक संगठन प्रतिनिधि एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दीपक सहगल एवं धर्मेंद्र शर्मा ने किया। पूरे शिविर की व्यवस्थाएं श्रीमती सीमा गुप्ता के निर्देशन में स्वयंसेवकों की टीम ने सुचारु रूप से संभाली, जिससे प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई।

कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम संयोजक विश्वास कुमार शुक्ल ने सभी अतिथियों, रक्तदाताओं, चिकित्सकों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

आरटीएम सोसायटी फॉर सोशल डेवलपमेंट ने किया सराहनीय कार्य

संजना भारती ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूं। समाज सेवा की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस एवं परिवहन विभाग से जुड़े कर्मियों के लिए निःशुल्क Speech एवं Hearing मेडिकल कैम्प का सफल आयोजन 04 जनवरी 2026 को पुलिस लाइन, बदायूँ में किया। यह कैम्प वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ बृजेश कुमार सिंह, बदायूँ के आदेश एवं अनुमति के अनुसार सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस मेडिकल कैम्प का उद्देश्य उन कर्मियों की स्वास्थ्य जाँच करना था, जो निरंतर तेज शोर, ट्रैफिक हॉर्न, सायरन एवं ध्वनि प्रदूषण के संपर्क में रहते हैं। शिविर में पुलिस के जवानों, ट्रैफिक पुलिस, रोडवेज चालकों, रिक्शा चालकों सहित परिवहन क्षेत्र से जुड़े कर्मियों को लाभान्वित किया गया।

कैम्प में बदायूँ Speech & Hearing Clinic के अनुभवी चिकित्सकों डॉ. गिलमैन सिद्दीकी, डॉ. गजेन्द्र एवं दीप पटेल द्वारा लाभार्थियों की निःशुल्क Speech एवं Hearing जाँच, परीक्षण, प्राथमिक परामर्श एवं आवश्यक चिकित्सीय मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

इस दौरान प्रदीप कुमार गुप्ता (प्राइवेट बस यूनियन ऑपरेटर), असद कादिर (रोडवेज इंचार्ज), एस.पी. ग्रामीण कार्यालय से जुड़े कर्मियों, रोडवेज चालक, रिक्शा चालक, पुलिस के जवान एवं ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की जाँच की गई। इस कैम्प में कुल लगभग 150 लोगों की जाँच (टेस्ट) की गई, जो कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय के आदेशानुसार संपन्न की गई। इस सेवा कार्य में RTM Society for Social Development की टीम के सदस्य मुशीर अली, आजम हुसैन, नीशू खान, लाइबा, अबीर, जुनेद, खालिद एवं साहिब की सक्रिय भूमिका रही, जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक आयोजित हो सका।

संस्था की संस्थापक रिदा तनवीर ने कहा कि जो लोग दिन-रात हमारी सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में लगे रहते हैं, उनकी सेवा करना हमारा सामाजिक दायित्व है। RTM Society आगे भी ऐसे जनकल्याणकारी स्वास्थ्य कार्यक्रम निरंतर आयोजित करती रहेगी। इस निःशुल्क मेडिकल कैम्प की पुलिस प्रशासन, परिवहन कर्मियों एवं आमजन द्वारा भूरी-भूरी प्रशंसा की गई।

पत्रकार अरुण शर्मा किए गए सम्मानित

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। परम पूज्य ब्रह्मलीन स्वामी श्री गंगा स्वरूप जी महाराज की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर श्री नारायण आश्रम गंगा मंदिर ट्रस्ट, दधीचिजी दे दान समिति, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, एवं महाराणा प्रताप सेवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर समाजसेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और मानवता के प्रति समर्पण का प्रेरक उदाहरण देखने को मिला। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई और स्वेच्छा से रक्तदान कर पुण्य अर्जित किया।

कार्यक्रम के दौरान नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन (दिल्ली प्रदेश) की उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार अरुण शर्मा को भी आयोजन समिति द्वारा पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं जनहितकारी कार्य के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान समाज के मुद्दों को निर्भीकता और संवेदनशीलता के साथ उठाने वाले पत्रकारों के योगदान को रेखांकित करता है।

आयोजक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने कहा कि स्वामी श्री गंगा स्वरूप जी महाराज का जीवन सेवा, त्याग और मानव कल्याण को समर्पित रहा। उनकी पुण्यतिथि पर स्वास्थ्य और रक्तदान जैसे कार्यक्रम आयोजित करना उनके आदर्शों को सच्ची श्रद्धांजलि है।

सम्मान प्राप्त करने पर अरुण शर्मा ने कहा कि यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि उस जिम्मेदार पत्रकारिता का है जो समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज बनती है। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है।

कार्यक्रम में सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, साधु-संत, बुद्धिजीवी वर्ग और आम नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। शिविर ने यह संदेश दिया कि सेवा और संवेदना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव जयपुर में टीआईई ग्लोबल समिट-2026 में होंगे शामिल

एसबी संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार 5 जनवरी को जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र (जेईसीसी) में आयोजित राजस्थान डिजीफेस्ट-टीआईई ग्लोबल समिट-2026 में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे, जो उभरते और उच्च विकास वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए राज्य के प्रौद्योगिकी एवं निवेश संबंधी दृष्टिकोण को प्रस्तुत करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश प्राथमिकता प्राप्त प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अवसरों की विस्तृत रूपरेखा वैश्विक निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ साझा करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इनोवेशन एक्सपो का भ्रमण करेंगे और मध्यप्रदेश पवेलियन का दौरा कर स्टार्टअप्स, इनोवेटर्स एवं उद्योग प्रतिनिधियों से संवाद भी करेंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीईओ, निवेशकों और वैश्विक उद्योग प्रतिनिधियों के साथ व्यक्तिगत बैठक कर मध्यप्रदेश में रणनीतिक निवेश के अवसरों एवं दीर्घकालिक सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा करेंगे।

टीआईई ग्लोबल समिट-2026 में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग सिल्वर स्टेट पार्टनर के रूप में सशक्त भागीदारी कर रहा है। यह भागीदारी गत 27 नवंबर 2025 को आयोजित एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 के दौरान द इंडस एंटरप्रेन्योर्स (टीआईई) राजस्थान के साथ हस्ताक्षरित समझौते के अनुरूप है। समिट में मध्यप्रदेश अपनी

नवस्थापित एवं प्रगतिशील नीतिगत व्यवस्था का प्रभावी प्रदर्शन करेगा। ये नीतियां राज्य को अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी, डिजिटल नवाचार और उच्च-मूल्य वाले रोजगार सृजन के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाने और भारत के टियर-2 शहरों के प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।